Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 18, Issue No. 4, July-2021, ISSN 2230-7540

वर्तमान शिक्षा प्रणाली में छात्राओं के सर्वांगीण विकास में एन.सी.सी. एक वरदान (बालाघाट जिले के सन्दर्भ में)

Nidhi Barange[1]*, Dr. Yuti Singh[2]

[1] Research Scholar, Department of Education, Sardar Patel University, Balaghat.

[2] Associate Professor, Department of Education, Sardar Patel University, Balaghat.

सार - आज की दुनिया में सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए एक बड़ी भूमिका निभा रही है। महिला सशक्तिकरण वह जगह है जहां हर महिला को अपनी आवाज उठाने का अवसर और अधिकार मिलता है , खुद के लिए खड़ा होता है, शिक्षित होता है, ताकि वे जान सकें कि उनके लिए क्या सही है और क्या नहीं। जिससे वे अपने सही निर्णय ले सकें। एनसीसी युवाओं को उनकी सबसे प्रभावशाली उम्र में ढालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रशिक्षण पैकेज जिसमें सिद्धांत और व्यवहार दोनों शामिल हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों को आकार देते हैं , कैडेटों के व्यक्तित्व का विकास करते हैं , उनमें आत्मविश्वास, साहस, कामरेडशिप, टीम भावना, देशभक्ति और उच्च अनुशासन की भावना पैदा होती है।

कुंजी शब्द - एनसीसीए विकास

----------X----------

प्रस्तावना

देश का युवा एक राष्ट्रीय संपत्ति है और इसका विकास बहुत महत्व और महत्व का कार्य है। इस जनादेश को पूरा करने के लिए एनसीसी के पास विशेषज्ञता और अंतर्निहित बुनियादी ढांचा है। वर्षों से एनसीसी ने इस लक्ष्य को प्रभावी और सार्थक तरीके से प्राप्त करने में योगदान दिया है। राष्ट्रीय कैडेट कोर हमारे युवाओं के सर्वांगीण (एनसीसी) विकास और परिवर्तन के लिए एक स्वर्णिम कुंजी है। वर्ष 1917 में विश्वविद्यालय कोर के रूप में जो शुरू हुआ , कई वर्षों के बाद कई बदलावों और ओवरहाल के बाद , नवंबर 1948 से राष्ट्रीय कैडेट कोर क (एनसीसी)े रूप में जाना जाने लगा। आज, लगभग 14 लाख कैडेटों के साथ , लड़के और लड़कियां दोनों , सुदूर और दूर दराज के क्षेत्रों में- शामिल13000 से अधिक कॉलेजों और स्कूलों से, एनसीसी को दुनिया में सबसे बड़े अनुशासित , वर्दीधारी युवा संगठन के रूप में पेश किया जाता है। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की स्थापना16 जुलाई 1948 को संसद के एक अधिनियम के तहत की गई थी। इसका आदर्श वाक्य एकता और अनुशासन ने युवा स्वयंसेवकों को भारत के अनुशासित और जिम्मेदार युवा नागरिकों में ढालने के अपने लंबे समय से प्रयास में एनसीसी को निर्देशित किया है।

व्यक्तित्व विकास व्यवहार और दृष्टिकोण के संगठित पैटर्न का विकास है जो एक व्यक्ति को विशिष्ट बनाता है। व्यक्तित्व विकास स्वभाव की चल रही बातचीत से होता है जो आनुवंशिक रूप से निर्धारित लक्षणों का समूह है जो दुनिया के प्रति व्यक्ति के दृष्टिकोण को निर्धारित करता है और वह दुनिया के बारे में कैसे सीखता है। एनसीसी नेतृत्व के गुणों को विकसित करता है , चरित्र, भाईचारा, खेल भावना और सेवा के आदर्श में सुधार करता है। यह धीरज , आत्मविश्वास निर्णय लेने की गुणवत्ता विकसित करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह छात्रों के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान करता है ताकि उनमें अधिकारी जैसे गुण विकसित हो सकें और इस प्रकार उन्हें सशस्त्र बलों में कमीशन प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा सके।

एनसीसी का मिशन

सैन्य वातावरण में आयोजित बहुआयामी कार्यक्रमों के माध्यम से नेतृत्व गुणों को विकसित करना , अनुशासन

www.ignited.in

को ढालना और सामाजिक एकीकरण और एकजुटता का पोषण करना।

राष्ट्रीय कैडेट कोर की उत्पत्ति

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)16 जुलाई 1948 को संसद गग, 1948 के एक अधिनियम के तहत अस्तित्व में आया। इसके आदर्श वाक्य एकता और अनुशासनश् ने युवा स्वयंसेवकों को भारत के अनुशासित और जिम्मेदार नागरिकों में ढालने के अपने लंबे समय के प्रयास में इसका मार्गदर्शन किया है। इन वर्षों में , विकसित होते परिवेश की प्रतिक्रिया में, एनसीसी के प्रारंभिक सैन्य अभिविन्यास को सामाजिक सेवा और साहसिक प्रशिक्षण के आयामों द्वारा संवर्धित किया गया था। राष्ट्रीय कैडेट कोर एक त्रि सेवा- संगठन है जिसमें सेना, नौसेना और वायु सेना शामिल है , जो युवाओं को अनुशासित और देशभक्त नागरिकों के रूप में तैयार करने में लगी हुई है। एनसीसी की उत्पत्ति का पता प्रथम विश्व युद्ध से लगाया जा सकता है , जब अंग्रेजों ने यूनिवर्सिटी कोर को रक्षा की दूसरी पंक्ति के रूप में बनाया और सशस्त्र बलों में रोजगार के लिए प्रशिक्षित युवाओं का एक बड़ा पूल उपलब्ध कराया।

एनसीसी का गर्ल्स डिवीजन जुलाई 1949 में शुरू किया गया था। 1950 में एयर विंग को 1 अप्रैल को बॉम्बे और कोलकाता में एक एयर स्क्वाड्रन के साथ जोड़ा गया था। जुलाई 1952 में एनसीसी की नौसेना विंग की स्थापना की गई इस प्रकार कोर में सभी सेवाओं का सही प्रतिनिधित्व . पूरा हुआ।64 वर्षों के अस्तित्व के बाद , एनसीसी के आज 17 निदेशालय चार डिवीजनों या विंगों में विभाजित हैं , अर्थात् कॉलेज के लड़कों ध् लड़कियों के लिए सीनियर डिवीजन ध् विंग और स्कूली लड़कों ध् लड़कियों के लिए जूनियर डिवीजन ध् विंग में लगभग 13.4 लाख कैडेट शामिल हैं। विस्तार योजना के तहत अतिरिक्त 1.6 लाख शामिल हो रहे हैं , जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा वर्दीधारी युवा संगठन बन गया है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर की प्रशिक्षण अवधारणा

राष्ट्रीय कैडेट कोर का प्रशिक्षण निम्नलिखित अवधारणा पर आधारित है

1. नेतृत्व का अधिकार अर्जित करने के लिए श्युवाओं के सशक्तिकरण के लिए व्यापक प्रशिक्षण।
2. चरित्र निर्माण और क्षमता विकास , बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण, सामाजिक जागरूकता और सेवा को कवर करने के लिए मॉड्यूल आधारित प्रशिक्षण।
3. कैडेट के अनुकूल पाठ्यचर्या एक व्यक्तिवादी और साथ ही टीम केंद्रित वातावरण में दक्षताओं और प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए प्रशिक्षक के रूप में कार्य करने वाले प्रशिक्षकों के साथ छात्रों पर भागीदारी और अतिरिक्त बोझ को कम करना।
4. युवाओं को प्रेरित करने के लिए उच्च स्तर की दृश्यता के साथ प्रशिक्षण का अभिनव , रोचक और सुरक्षित संचालन, उचित प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे और लड़के और लड़की कैडेटों के लिए रसद समर्थन द्वारा समर्थित।
5. व्यापक आधारित विशेषज्ञता के लिए और प्रशिक्षक कौशल को बढ़ाने के लिए एक अच्छी तरह से संरचित ट्रेन ट्रेनर कार्यक्रम और पुनश्चर्या कार्यक्रमों के माध्यम से समर्पित और सक्षम प्रशिक्षकों के एक पूल द्वारा व्यावसायिक प्रशिक्षण।
6. राष्ट्रीय स्तर पर शिविरोंध्प्रतियोगिताओंध्गतिविधियों में परिणत होने वाला प्रगतिशील संस्थागत प्रशिक्षण।
7. एनसीसी कैडेटों के बीच सौहार्द विकसित करने और संबंधों को मजबूत करने, प्रशिक्षण को सक्रिय करने और एक ज्ञान बैंक के लिए तैयार पहुंच प्रदान करने के लिए प्रभावी ढंग से इंटरनेट का उपयोग करें।
8. क्षेत्रीय और राष्ट्रीय एकता शिविरों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना।
9. यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के माध्यम से एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य और एक्सपोजर प्रदान करें।
10. उपयुक्त उपचारात्मक उपायों के लिए संगठन और पाठ्यक्रम में अतिरेक और कमियों की पहचान करने के लिए नियमित मूल्यांकन।

राष्ट्रीय कैडेट कोर में प्रशिक्षण गतिविधियां

राष्ट्रीय कैडेट कोर के उद्देश्यों के आधार पर , संगठन ने कैडेटों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निर्धारित किया है। जूनियर डिवीजन कैडेट्स के लिए पाठ्यक्रम दो साल की अवधि को कवर करता है और सीनियर डिवीजन के लिए यह तीन साल तक चलता है। मामूली बदलावों को छोड़कर, लड़के और लड़की दोनों कैडेटों के लिए पाठ्यक्रम समान है। कैडेटों के लिए नियोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम यह सुनिश्चित करते हैं कि संगठन का लाभ अधिक से अधिक

www.ignited.in

कैडेटों तक पहुंचे। प्रशिक्षण गतिविधियों में से कुछ केंद्रीय रूप से आयोजित शिविर , विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर , राष्ट्रीय एकता शिविर , अखिल भारतीय ट्रेकिंग अभियान , खेल आयोजनों की अनुसूची , संस्थागत प्रशिक्षण, बुनियादी प्रशिक्षण जैसे ड्रिल अभ्यास और हथियार प्रशिक्षण , शिविर प्रशिक्षण, अनुलग्नक प्रशिक्षण , सामुदायिक विकास ध् सामाजिक गतिविधियाँ , पर्वतारोहण, नौकायन, ट्रेकिंग, पैरासेलिंग, ऊंट सफारी , मोटर साइकिल ध् साइकिल अभियान, व्हाइट वाटर राफ्टिंग और स्कूबा डाइविंग।

उद्देश्य

1. कॉलेज स्तर पर एनसीसी कैडेटों और गैर एनसीसी छात्रों के बीच मूल्यों , अनुशासन और समायोजन में लिंग अंतर का पता लगाना।
2. कॉलेज स्तर पर गैर एनसीसी छात्रों के साथ एनसीसी कैडेटों के मूल्यों की तुलना करना

साहित्य की समीक्षा

नायर, आर) सुकुमारन .2019) ने हाई स्कूल के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास में राष्ट्रीय कैडेट कोर प्रशिक्षण की भूमिका का अध्ययन करने का प्रयास कियारू एक तथ्यात्मक विश्लेषण। हाई स्कूल में नामांकित 147 राष्ट्रीय कैडेट कोर का उपयोग डेटा एकत्र करने के लिए किया गया था। 158 गैर राष्ट्रीय कैडेट कोर के छात्रों को-लिया गया था। इन दो समूहों को उम्र , स्कूल की उपलब्धि और स्कूल में भाग लेने पर समान किया गया था। उनके व्यक्तित्व में इन दोनों श्रेणियों के बीच महत्वपूर्ण अंतर था। नायर, आर .) सुकुमारन2018) ने हाई स्कूल के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास में राष्ट्रीय कैडेट कोर प्रशिक्षण की भूमिका का अध्ययन करने का प्रयास कियारू एक तथ्यात्मक विश्लेषण। हाई स्कूल में नामांकित 147 राष्ट्रीय कैडेट कोर का उपयोग डेटा एकत्र करने के लिए किया गया था। 158 गैर राष्ट्रीय कैडेट कोर के छात्रों को लिया गया- था। इन दो समूहों को उम्र, स्कूल की उपलब्धि और स्कूल में भाग लेने पर समान किया गया था। उनके व्यक्तित्व में इन दोनों श्रेणियों के बीच महत्वपूर्ण अंतर था।

श्री राजकुमार)2018) शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य में से सर्वश्रेष्ठ को बाहर निकालना है। यह स्वस्थ और अच्छी तरह से एकीकृत व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में मदद करना है। यह स्कूली बच्चों में वांछनीय नैतिक और राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण में भी मदद करता है। कुछ शिक्षाविदों ने शैक्षिक उद्देश्य के रूप में व्यक्ति के सामंजस्यपूर्ण विकास और चरित्र निर्माण पर जोर दिया। इसलिए व्यक्तित्व के मनोविज्ञान का कुछ ज्ञान और शैक्षिक आधार के रूप में इसकी भूमिका कार्यरत शिक्षकों और भावी शिक्षकों के लिए आवश्यक है।

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य न केवल अतीत में शोध के मौजूदा निकाय में अधिक ज्ञान जोड़ना है , बल्कि यह शैलियों, दृष्टिकोणों के सामान्य सिद्धांतों से परे जाने का भी प्रयास कर रहा है और एक सार्वभौमिक संगठन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जिसका उद्देश्य व्यक्तित्व का विश्लेषण करना और युवाओं में नेतृत्व पैदा करना है। आज की दुनिया में। हमारे पास बड़ी संख्या में संगठन हैं जहां हमें संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए टीम का नेतृत्व करने के लिए नेताओं की आवश्यकता है , चाहे वह वैज्ञानिक अनुसंधान का क्षेत्र हो , कॉर्पोरेट, रक्षा और गैर सरकारी संगठनों सहित राजनीतिक दुनिया आदि।- इस प्रकार, यह दिलचस्प होगा यह जानने के लिए कि वह इस प्रयास में कितनी सफल रही है।

क्रिस्टीन हान) 2000) ने राष्ट्रीय शिक्षा और सक्रिय नागरिकतारू नागरिकता और नागरिकता शिक्षा के लिए निहितार्थः पर एक शोध अध्ययन का आयोजन किया , नागरिकता और मूल्यों की शिक्षा किसी न किसी रूप में हमारे देश में अस्तित्व में थी। हमारे देश में इन वर्षों में शिक्षा के विभिन्न रूपों के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है। वर्तमान में , राष्ट्रीय शिक्षा के वर्णन और विभिन्न पहलुओं पर कई काम किए गए हैं , जिसे 1997 में पेश किया गया था। साथ ही , पिछले 5 वर्षों में सहस्राब्दी से पहले, नागरिकता की अवधारणा की खोज करते हुए कई किताबें और शोध पत्र लिखे गए हैं। नागरिकता शिक्षा की अवधारणा में दो प्रमुख परिवर्तन हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा का परिचय पहला है और दूसरा सक्रिय नागरिकता है। यह पत्र हाल के परिवर्तनों को चित्रित करता है , और हमारे देश में नागरिकता की अवधारणा और नागरिकता शिक्षा के लिए उनके निहितार्थों पर चर्चा करता है।

एना डिजनी)2019) ने वैश्विक नागरिकता के बारे में छात्रों की समझ विकसित करने के लिए एक संदर्भ के रूप में स्कूल लिंकिंग का उपयोग करते हुए शिक्षक शिक्षकों के व्यावसायिक ज्ञान के आधार का निर्माण का अध्ययन करने का प्रयास किया। यह लेख स्कूल जोड़ने वाली

www.ignited.in

परियोजना की भूमिका की जांच और मूल्यांकन करता है। यह विकासशील संसाधनों और शैक्षणिक दृष्टिकोणों में आईटीटी पाठ्यक्रम पर वैश्विक नागरिकता के शिक्षण में किया जाता है। यह एक प्रक्रिया के रूप में भौगोलिक जांच की मौलिक भूमिका के लिए तर्क देता है जिसके दौरान वैश्विक नागरिकता की कई अवधारणाएं विकसित की जा सकती हैं। यह आईटीटी भूगोल पाठ्यक्रम के विकास में स्कूल को जोड़ने वाली परियोजना के प्रभाव को दर्शाता है और वैश्विक नागरिकता के विकास में इसके योगदान के बारे में बात करता है।

जयश्री एट अल। , (2018) ने ध्वैश्विक शिक्षक शिक्षा में महिलाएं और नागरिकतारू वैश्विक आईटीई परियोजना पर अपने अध्ययन में एक अध्ययन पूरा किया। यहां प्रारंभिक शिक्षक शिक्षा योजना तीन स्थानों पर की जाने वाली शिक्षा परियोजना है। इसका प्रमुख उद्देश्य तीन शिक्षक शिक्षा-संस्थानों में भारत, केन्या और इंग्लैंड के प्रशिक्षु शिक्षकों को वैश्विक और स्थानीय सामाजिक मुद्दों को जोड़ने और उन्हें स्कूल के पाठ्यक्रम से जोड़ने की सुविधा प्रदान करना हैय और नागरिकता शिक्षा पर एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य का समर्थन करने के लिए। वैश्विक नागरिकता के हमारे दृष्टिकोण का अभिन्न अंग बहुलता के सम्मान के साथ साथ लैंगिक-समानता की परवाह करता है। यह नागरिकता में उनके स्तर को समझने में मदद करता है और उन्हें व्यापक परिप्रेक्ष्य में पाठ्यक्रम की योजना बनाने में सक्षम बनाता है।

शम्पा बिस्वास)2018) ने जांच की कि वैश्वीकरण और राष्ट्र परेरू भारतीय अमेरिकी प्रवासी और क्षेत्र-, नागरिकता और लोकतंत्र की पुनर्विचारण। एक केस स्टडी के रूप में भारतीय अमेरिकी आबादी का उपयोग करते हुए-, वह विभिन्न राजनीतिक और सैद्धांतिक स्थानों को व्यक्त करते हैं। यह पत्र चर्चा करता है कि कुछ भी स्वाभाविक रूप से राजनीतिक रूप से प्रगतिशील नहीं है , प्रवासी लामबंदी के बारे में विध्वंसक है। वास्तव में , इस तरह की लामबंदी की सामग्री की सावधानीपूर्वक जांच करने की आवश्यकता है। पेपर का तर्क है कि राष्ट्र राज्य की प्रवासी चुनौती क्षेत्र की-अवधारणा की एक पुनरू अवधारणा के लिए आमंत्रितकरती है, और इस तेजी से परस्पर जुड़ी दुनिया में नागरिकता और लोकतंत्र की प्रकृति के बारे में गंभीर सवाल उठाती है।

जेनिफर हॉवर जेम्स और सुसान वी। इवरसन , (2019) ने एक शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में महत्वपूर्ण नागरिकता के लिए प्रयासरू समस्याएं और संभावनाएं पर अपने पेपर रिपोर्ट में। इसका उद्देश्य शिक्षक शिक्षा में महत्वपूर्ण नागरिकता को समझना है। निष्कर्षों से पता चलता है कि परिवर्तन उन्मुख सेवा सीखने में छात्रों की भागीदारी ने उन्हें-अल्पावधि में नागरिकता के आवश्यक पहलुओं के रूप में कार्रवाई और ज्ञान के महत्व पर विचार करने के लिए प्रेरित कियाय अन्य निष्कर्ष यह हैं कि नागरिक शिक्षा के उद्देश्यों और प्रथाओं के बारे में छात्रों की सोच समय के साथ नागरिकता के बारे में उनकी बदलती सोच और प्रदर्शन को बारीकी से दर्शाती है।

मेल्विन आर। वेबर और डोरी डेनिसन)2019) ने एक खोजपूर्ण ष्यक्तित्व और छात्र नेतृत्व के बीच संबंधों में अध्ययन किया। यह टू कलर्स वर्ड सॉर्ट द्वारा मापे गए व्यक्तित्व और स्टूडेंट लीडरशिप प्रैक्टिस इन्वेंटरी द्वारा मापे गए छात्र नेतृत्व के बीच संबंधों का खुलासा करता है। एक प्रशिक्षक व्यक्तित्व को समझकर , सभी छात्रों के साथ संचार की लाइनें खोल सकता है , और छात्रों को कार्यों पर अपना ध्यान केंद्रित करने में मदद कर सकता है। यदि छात्र अपने और अपने साथियों के व्यवहार को समझते हैं , तो वे एक समूह के भीतर या कक्षा के भीतर अपने प्रदर्शन स्तर को बढ़ाने में सक्षम होंगे। इस अध्ययन के परिणाम ने टू कलर्स के व्यक्तित्व प्रकारों की सूचना दी हैय हालांकि, इन दोनों के बीच किसी भी शोध की तुलना नहीं की गई है। डेटा विश्लेषण के परिणाम बताते हैं कि ग्रीन टू कलर्स व्यक्तित्व विशेषता नेतृत्व प्रोफाइल के घटक को प्रभावित करती है।

कैथलीन एम। क्विनलान)2017) ने ष्उच्च शिक्षा में छात्र सीखने के लिए शिक्षण का नेतृत्वः क्या आवश्यक है ?ष् पर एक अध्ययन किया। नेतृत्व पर अनुसंधान काफी हद तक शिक्षण और सीखने के नेतृत्व को देखता है। यह पत्र नेतृत्व का एक मॉडल प्रस्तुत करता है जिसमें विश्वविद्यालयों को बनाने के लिए आवश्यक विभिन्न तत्वों को शामिल किया गया है जो जानबूझकर समग्र छात्र सीखने और विकास को बढ़ावा देते हैं। शोध पत्र नेतृत्व की सामग्री और संदर्भ पर प्रकाश डालता है , आम तौर पर शिक्षा में नेतृत्व या यहां तक कि नेतृत्व पर प्रकाश डालता है, लेकिन छात्र सीखने के लिए शिक्षण और सीखने से संबंधित ज्ञान और साक्ष्य को स्पष्ट रूप से शामिल करके शिक्षण का नेतृत्व।

विजयलक्ष्मी जी)2017) ने मूल्यों और मानव व्यवहार का अध्ययन करने का प्रयास किया , उनका मानना था कि मूल्य समाज में व्यक्ति के व्यवहार की प्रमुख विशेषताएं हैं। डेटा 40 से एकत्र किए गए थे। मूल्यों को पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से शामिल किया जा सकता है।

www.ignited.in

उसका पेपर सह पाठ्यचर्या गतिविधियों के उपयोग और- किसी के विशेष निर्णय और उसके मूल्यों या सिद्धांतों के बीच संबंध स्थापित करने का वर्णन करता है।

विशाखा पांडुरंग म्हस्के , (2019) ने उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र व्यक्तिगत मूल्य पैटर्नरू शिक्षा की प्रक्रिया में एक अध्ययन श्मूल्यों का बहुत महत्व है का अध्ययन करने का प्रयास किया। शिक्षा का मूल उद्देश्य छात्रों में नैतिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, व्यक्तिगत मूल्यों का विकास करना है। शिक्षकों की जिम्मेदारी छात्रों में मूल्यों का विकास करना है। परिणामों से पता चलता है कि स्थानीयता और लिंग के कारण छात्र के मूल्य पैटर्न में परिवर्तन होता है।

ग्रामीण और शहरी छात्रों का मूल्य पैटर्न काफी अलग है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र से संबंधित पुरुष का मूल्य पैटर्न काफी भिन्न है।

वर्मा निधि और बावणे ज्योति , (2018) वर्तमान जांच में शोधकर्ता अर्थात् भारतीय स्नातक छात्रों के बीच उभरते व्यक्तिगत मूल्यष्क महाराष्ट्र के एक चयनित शहर में किए गए अध्ययन में कॉलेज जाने वाले छात्रों के बीच प्रचलित व्यक्तिगत मूल्यों की विशेष संदर्भ में जांच की गई। लिंग और अनुशासन। परिणाम से पता चला कि कॉलेज के छात्रों ने आर्थिक , और शक्ति मूल्यों के लिए बहुत अधिक प्राथमिकताएं, और सौंदर्य, और सुखवादी मूल्यों के लिए - उच्च प्राथमिकताएं दिखाई। धार्मिक, और पारिवारिक प्रतिष्ठा मूल्यों के प्रति औसत वरीयता देखी गई , लोकतांत्रिक, ज्ञान और स्वास्थ्य मूल्यों के लिए कम और सामाजिक मूल्य के लिए सबसे कम देखा गया। इसलिए शोध का निष्कर्ष है कि कॉलेज जाने वाले छात्र एक अकादमिक करियर से काम की दुनिया में चरण को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया से प्रभावित होते हैं। पहले के शोध और अध्ययनों की समीक्षा में कहा गया है कि इन छात्रों के मूल्य ऋस्थिर नहीं रहे हैं , और उनके मूल्य पैटर्न में बहुत बार बदलाव आया है।

पीटर पी। ग्रांडे और जोसेफ बी। सिमंस) .2018) उन्होंने ष्इंजीनियरिंग छात्रों के बीच व्यक्तिगत मूल्य और अकादमिक प्रदर्शन का अध्ययन करने का प्रयास किया। छात्र की इस जांच में 20 डीन की सूची के स्वतंत्र रूप से तैयार किए गए यादृच्छिक नमूने और 20 अकादमिक परिवीक्षा इंजीनियरिंग सोफोमोर्स विषय थे।

व्यक्तिगत मूल्यों और योग्यता चर के संबंध में शैक्षणिक स्थिति। डीन की सूची के छात्र अकादमिक परिवीक्षा के छात्रों से उपलब्धि की आवश्यकता, आकांक्षाओं की दिशा, सहकर्मी समूह मूल्यों, योजना में स्वतंत्रता , दृढ़ता, आत्म नियंत्रण-.) और हाई स्कूल रिकॉर्ड जैसे चर पर महत्वपूर्ण रूप से05 स्तर भिन्न थे। सामाजिक आर्थिक स्थिति (, घर के प्रभाव, आत्म अंतर्दृष्टि या शैक्षिक योग्यता जैसे चरों पर कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि सफल इंजीनियरिंग छात्र कुछ मापने योग्य विशेषताओं में अपेक्षाकृ त कम सफल इंजीनियरिंग छात्र से भिन्न होता है।

निष्कर्ष

एनसीसी का उद्देश्य युवा नागरिकों के बीच चरित्र , कॉमरेडशिप, अनुशासन, एक धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण , साहस की भावना और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों का विकास करना है। इसके अलावा, इसका उद्देश्य जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व गुणों के साथ संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं का एक पूल बनाना है , जो राष्ट्र की सेवा करेंगे, चाहे वे किसी भी करियर को चुनें। कहने की जरूरत नहीं है कि एनसीसी युवा भारतीयों को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए अनुकूल माहौल भी प्रदान करता है।

संदर्भ सूची

1. एज डिसेथ, ऐनी जी डेनि .यलसन, और ओडड्रन समदल).2012) माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच बुनियादी आवश्यकता समर्थन , आत्म-प्रभावकारिता, उपलब्धि लक्ष्य , जीवन संतुष्टि और शैक्षणिक उपलब्धि स्तर का एक पथ विश्लेषण, शैक्षिक मनोविज्ञान, प्रायोगिक शैक्षिक मनोविज्ञान का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल , वॉल्यूम। 32रू3, पीपी.335354. आईएसएसएनरू 01469-5820, डोईरू10.1080ध्01443410.2012.657159
2. ऐमान अहमद अल ओमारी , अब्दुल्ला मोहम्मद अबू तिनेह , और समीर मोहम्मद खसावनेह , (2008), जॉर्डन में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में प्रथम वर्ष के छात्रों का नेतृत्व कौशल। अनिवार्य शिक्षा के बाद अनुसंधान , 13(3). 251-266, डोईरू10. 1080ध्13596740802354252
3. अलीसा सोंग्सरिविटाया, रविंदर कौल, और सक कोंगसुवान, (2010), उपलब्धि लक्ष्य अभिविन्यास और अकादमिक कार्यक्रमों में स्वयं रिपोर्ट किए-

www.ignited.in

गए प्रतिलिपि व्यवहार में अंतर, आगे और उच्च शिक्षा के जर्नल, वॉल्यूम 34रू 3, पीपी 419-430, छरू 1469-9486.. कवपरू10.1080ध्03098771.2010.484058 द्य

4. एलिस्टेयर रॉस)2007), सक्रिय नागरिकता के लिए एकाधिक पहचान और शिक्षा , ब्रिटिश जर्नल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज , टवस.55, छव3, चच.286-303 द्य
5. अरुण कुमार, (2012). (नव नागरिक को (उदारवादी- शिक्षित करनारू भारत सेप्रतिबिंब, डेवलपमेंट इन प्रैक्टिस, वॉल्यूम 22, नंबर 3, पीपी.361-372, आईएसएसएनरू 0961-4524, डीओआईरू10.1080ध्09614524.2012.664628
6. असित भट्टाचार्य, (2014), व्यक्तिगत मूल्य और सामाजिक और पर्यावरणीय जवाबदेही के प्रति दृष्टिकोणरू एमबीए छात्रों का एक अध्ययन , पर्यावरण शिक्षा अनुसंधान , 1, 21-25. डोईरू10.1080ध्13504622.2014.966658
7. एवरिल कीटिंग, और जन जर्मन जनमत, (2015). स्कूल में नागरिकता के माध्यम से शिक्षारू क्या स्कूल की गतिविधियों का युवा राजनीतिक जुड़ाव पर स्थायी प्रभाव पड़ता है ? संसदीय कार्य, 1-21, डीओआईरू10.1093ध्पीएध्जीएसवी017
8. बेकटास एफ., नालकासी, और अहमत, (2012), व्यक्तिगत मूल्यों और शिक्षण व्यवसाय के प्रति दृष्टिकोण के बीच संबंध, शैक्षिक विज्ञानरू सिद्धांत और व्यवहार, 12(2), 1244-12481
9. भार्गव, एम) .2018). स्कूलों में नागरिकता की भूमिका, ऑनलाइनरू नागरिक , जिजचरूध्इपज से लिया गया . सलध्छनदि.
10. बो डाहलिन , (2010), नागरिकता के लिए एक राज्यस्वतंत्र शिक्षा-? स्वीडिश मुख्यधारा और स्टेनर वाल्डोर्फ स्कूलों में छात्रों के बीच नागरिक और नैतिक मुद्दों से संबंधित मान्यताओं और मूल्यों की तुलना करना , जर्नल ऑफ बिलीफ्स एंड वैल्यूजरू स्टडीज इन रिलिजन एंड एजुकेशन , वॉल्यूम 31, नंबर 2, पीपी.165-180, पछरू1361-7672 कवपरू10.1080ध्13617672.2010.503629
11. बर्चेल डी)1993), सदाचारी नागरिक और व्यावसायिक भावनारू नागरिकता और आधुनिकता का नाखुश प्रागितिहास , सांप्रदायिकध्बहुवचन, 2017-45.
12. चेन चेन और ली फेंग झांग)2011), चीनी किशोर छात्रों के बीच स्वभाव , व्यक्तित्व और उपलब्धि लक्ष्य, शैक्षिक मनोविज्ञानरू प्रायोगिक शैक्षिक मनोविज्ञान का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 31रू3, पीपी339-359. आईएसएसएनरू 0144- 3410. डीओआईरू10.1080ध्01443410.2011.559310

Corresponding Author

Nidhi Barange*

Research Scholar, Department of Education, Sardar Patel University, Balaghat

www.ignited.in